जनजातिया

जौनसारी :-

- राज्य का सबसे बडा जन जातिय समूह
- प्रजातिय दृष्टि से ये इण्डो आर्यन परिवार के है
- इनका मुख्य निवास स्थल लघु-हिमालय के उत्तरी-पश्चिमी भाग का भांवर क्षेत्र है। इस क्षेत्र के अन्तर्गत देहरादून का चकराता, कालसी, त्यूनी, लाखामण्डल क्षेत्र, टिहरी का जौनपुर क्षेत्र तथा उत्तरकाशी का परग नेकाना क्षेत्र आता है

95% लोग देहरादून मे निवास करते है।

- जौनसार क्षेत्र में 39 खते व 358 राजस्व गाँव है

जौनसारी जनजाति तीन वर्गो में — खसास, कारीगर और हरिजन खसास में विभाजित है

वेशभूषा → ऊनी पजामा (झंगोली), ऊनी टोपी (डिगुवा) पुरुषों द्वारा
कुर्ती कमीज (झगा), चोली (चोल्टी) स्त्रियों द्वारा

इनमें पितृसत्तात्मक प्रकार की संयुक्त परिवार प्रथा पाई जाती है
इनमे बहुपति विवाह का प्रचलन था। अब इनमें 'बेवीकी, बोईदोदी और बाजदिया आदि प्रकार के विवाह प्रचलित है।

पितृ गृह में लडकी (ध्यंति) और विवाह के बाद (रयान्ती)

इनके प्रमुख देवता — महासू, वाथिक, बोठा, पवासी व चालदा आदि
महाशिव - महाशिव (महासू की माता → देवलाडी

जौनसारी अपने को पांडवो का वंशज बताते है। इनके प्रमुख देवता पांचो पाण्डवो और कुन्ती है।

सांस्कृतिक गतिविधिया — बिस्सू (बैशाखी) पंचाई या पांचो (दशहरा) दिआई (दिपावली), माघत्यौहार, नुणाई, जागड़ा, अठोई (जन्माष्टमी)

दीपावली मे पुरुष पत्तेबाजी नृत्य करते है

विजय दशमी को स्थानीय भाषा में पायता कहते है

जागड़ा 'महासू' देवता का त्योहार जो भादो के महीने मे मनाया जाता है। उस दिन महासू को मन्दिर से ले जाकर टोंस नदी में स्नान कराया जाता है

माघ त्यौहार - 11 व 12 जनवरी इनका प्रमुख त्यौहार है

जौनसार क्षेत्र मे **बिस्सू** मेला 4 दिन तक मनाया जाता है
चौलीथात ठाना डांडा चौराणी नागथात लूहन डांडा चिरवी व नगाथ डांडे आदि स्थानो मे मेला लगता है
यह मेला जौनसार-बावर का सबसे बडा मेला है
इन मेलो को '**गनयात**' भी कहते है ।
इस मेले मे चावल से बने पापड को स्थानीय भाषा मे '**लाडू**' और '**भाकुली**' कहते है
मद्दमौण व जलरिमाडो मौण भी इनके प्रमुख त्यौहार है
जलरिमाडो मौण लगता है 25-26 वर्षो मे
इग्यारा, साहिया, पाटे व मीनस के मौण भी प्रसिद्ध है

प्रमुख नृत्य : हारुल (परात-नृत्य), रासो, घूमसो, झेला, छोड़ो, घीई <u>घुण्डचा</u>, जंगबाजी, सराई, हृदया, सामूहिक, मंडवणा, तांदी, मरोज, जैन्ता, ठुमरिया, <u>**बराडी**</u> <u>**गण्डिया**</u>, रास, ससो, झंडे-कंडे, रेणारात, पौणाई, पत्लेबाजी
खुमरी नामक संस्था के मुखया 'सयाणा' कहलाता है
खुमरी से उपर **खत** जिसका मुखया खत सयाणा है

वीर केसरी चंद का जन्म - 1 NOV 1920 <u>ग्राम **क्यावा**</u>

जौनसार के प्रथम समाज सेवी → केदार सिंह
जौनसार का प्रथम कवि शिवराम प्रमुख रचना वीर केसरी
फादर आफ जौनसार बावर सम्मान से सम्मानित भाव सिंह चौहान
जौनसार में राजनीतिक जागरुपता का जनक - गुलाब सिंह
आधुनिक कवि - रतन सिंह जौनसारी
<u>माली</u> : वह व्यक्ति जिस पर कुल देवता अवतरित होता है
<u>मोड्ला नृत्य</u> -